less in comparison to the other buses i.e. Green Line Express, Red Line Express, White Line Express, Luxury Buses and Limited Buses etc; and

(b) if so, what are the reasons therefor and what steps Government propose to take to provide more ordinary buses so that the poorer commuters are not inconvenienced?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

National Highways in Punjab

433. SHRI JAGIR SINGH DARD: WiU the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) the length of the National Highways which run through Punjab at present;

(b) the agency responsible for the maintenance and upkeeping of the National Highways in the State; and

(c) the amount spent on maintanance of National Highways in the State during the last three years, year-wise?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) The length of Natioanl Highways passing through Punjab is 892 km.

(b) State Govt, of Punjab is the executing agency on behalf of Govt, of India for maintenance and repairs of National Highways in Punjab.

(c) Expenditure incurred on maintenance of National Highways in Punjab during the last three years is as under:—

1989-90	1990-91	1991-92
652.90 Lakhs	515.38 Lakhs	572.17 Lakhs

राष्ट्रीय राजमार्गों को जोड़ने वाली सड़कों का निर्माण

434. श्री महेश्वर सिंह: क्या जल भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को नए राष्ट्रीय राजमार्गों अथवा विद्यमान राष्ट्रीय राजमार्गों को परस्पर मिलाने वाली सड़कों के निर्माण के संबंध में विभिन्न राज्यों से कोई प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्योरा क्या है; और

(ग) उन पर सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है?

जल भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर): (क) और (ख) जी हां। नए राष्ट्रीय राजमार्गों की घोषणा के लिए विभिन्न राज्यों से प्राप्त प्रस्तावों की संख्या संलग्न विवरण में दर्शाई गई है [नीचे देखिए]

(ग) आठवीं योजना के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों के प्रयोजनार्थ निर्धारित निधियां मौजूद राष्ट्रीय राजमार्ग प्रणाली पर चालू कार्यों के लिए ही मुश्किल से पर्याप्त है। इसलिए, जब तक राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए आबंटन में वृद्धि नहीं की जाती तब तक इस समय कोई भी नया राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करना कठिन है। तथापि, निधियों की उपलब्धता और इस प्रयोजनार्थ निर्धारित अन्य विभिन्न तथ्यों को ध्यान में रखते हुए आठवीं योजना की मध्यावधिक समीक्षा के समय यथा स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

विवरण

आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान नए राष्ट्रीय राजमार्गों की घोषणा के संबंध में राज्य सरकारों/संघ शासित सरकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए/प्रस्तावों का उद्धरण

क्रम सं०	राज्य	प्रस्तावों की संख्या	अनुमानित लम्बाई कि०मी०
1.	आन्ध्र प्रदेश	19	6045
2.	असम	3	380
3.	अरुणाचल प्रदेश	1	400
4.	बिहार	5	1180
5.	गुजरात	9	2271
6.	हरियाणा	4	586
7.	हिमाचल प्रदेश	2	618